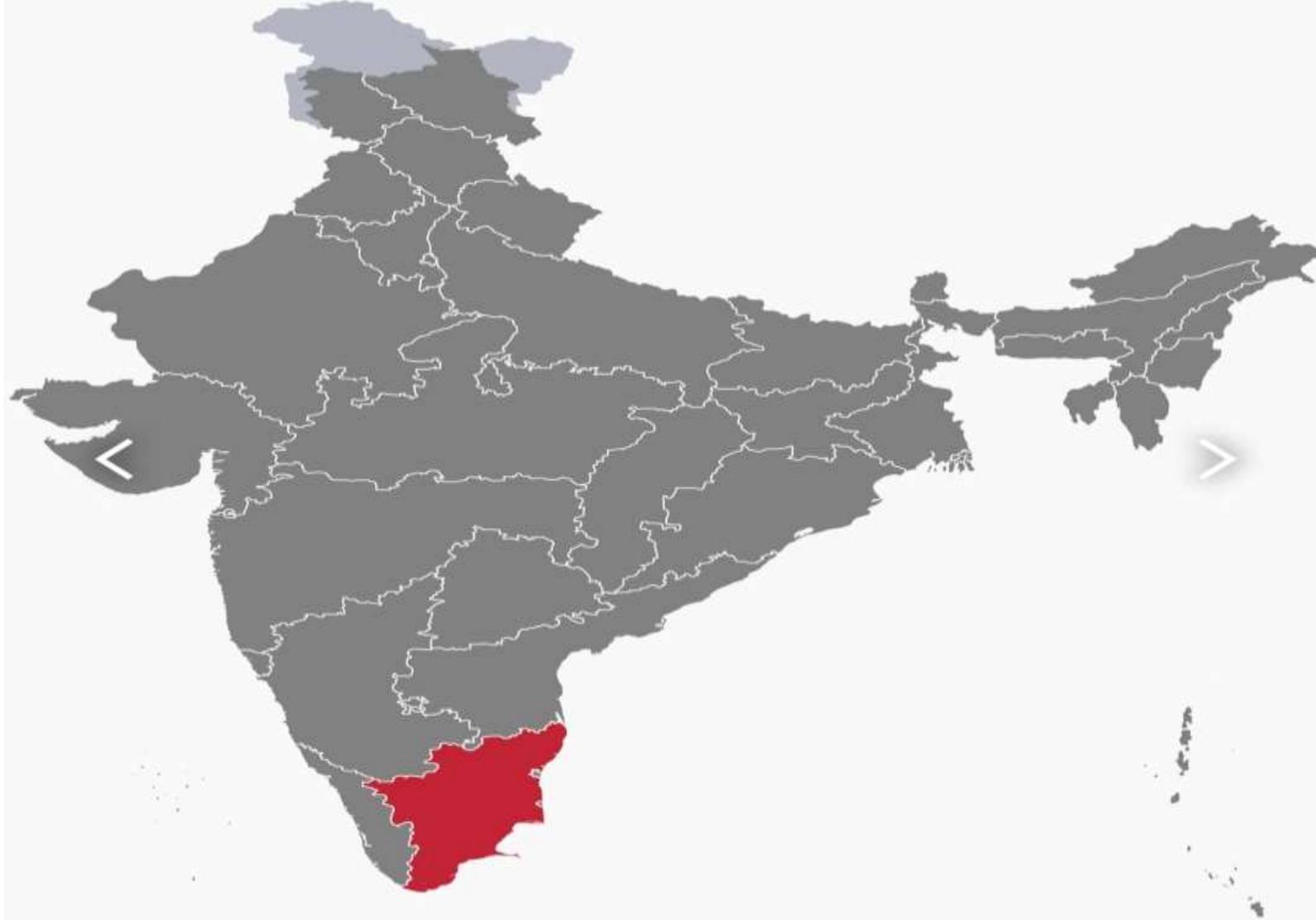


आनलाईन कक्षा में सबको स्वागत कक्षा -६

हिन्दी
पाठ- 4
तामिलनाडु

CHANGING YOUR TOMORROW

तामिलनाडु





5

तमिलनाडु



चिंतन-मनन

भारत बहुभाषीय देश है। यहाँ कला, संस्कृति, धर्म, भाषा को लेकर हर एक राज्य अपनी अलग-अलग परंपरा लिए खड़ा है। दक्षिण प्रांत में तमिलनाडु का अपना अलग महत्व है। यहाँ की कला, संस्कृति, रहन-सहन की जानकारी देना इस पाठ का प्रमुख उद्देश्य है। भारत के अलग-अलग राज्य की अपनी अनोखी शान है।

धान के लहलहाते खेत, हरी-भरी नीलगिरि पर्वत शृंखलाएँ तथा समुद्र की उठती-गिरती लहरें और प्रकृति से संपन्न भारत के दक्षिणी छोर पर बसा एक राज्य है— तमिलनाडु।

दक्षिण भारत के इस प्रदेश की संस्कृति प्राचीनतम तथा अनूठी है। यहाँ के मूल निवासी 'द्रविड़' हैं तथा भाषा 'तमिल' है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस राज्य में मूर्ति और भवन-निर्माण के सुंदर नमूनों को देखा जा सकता है। प्राचीन मंदिरों के रूप में यहाँ भारतीय कला तथा वास्तुशिल्प के सुंदर रूप के दर्शन होते हैं। यहाँ के मंदिर देखने योग्य हैं। मदुरै का मीनाक्षी मंदिर, कांचीपुरम का वरदराज मंदिर तथा कामाक्षी मंदिर वास्तुकला और मूर्तिकला का अनोखा संगम लिए खड़े हैं। यहाँ के मंदिरों के कारण तमिलनाडु को 'मंदिरों का राज्य' भी कहा जाता है।

मदुरै का मीनाक्षी मंदिर अत्यंत सुंदर है। यह डेढ़ किलोमीटर लंबी पहाड़ियों को काटकर बनाया गया है। तमिलनाडु के दर्शनीय स्थानों में सबसे ऊपर चिदंबरम नामक स्थान है जहाँ नृत्य मुद्रा में

नटराज शिव की मूर्ति है। इस प्रकार की यह एकमेव मूर्ति है। धार्मिक स्थलों में कन्याकुमारी तथा रामेश्वरम प्रसिद्ध हैं। रामेश्वरम के शिवमंदिर का संबंध रामायण से है। शिल्प की दृष्टि से यह मंदिर भारत में प्रसिद्ध है। मीठे पानी के कुंड यहाँ का आकर्षण हैं। कन्याकुमारी का मंदिर भी दर्शनीय है। समुद्र के किनारे स्थित इस मंदिर के आस-पास की रेत अलग-अलग रंग की है।

शब्दार्थ-

१. श्रृंखलाएं - कतारें
२. संपन्न - भरा हुआ
३. अनूठी - विशेष
४. वास्तुशिल्प - निर्माण कौशल, वास्तुकला
५. अनोखा - अद्भुत, अपूर्व, अनूठा
६. संगम - मिलन
७. एकमेव - एकमात्र
८. शिल्प - हस्तकला, हाथों का हुनर
९. प्रसिद्ध - विख्यात
१०. आकर्षण - खिंचाव

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP